

बखतबहादुर थापाको उपन्यासकारिता

त्रिभुवन विश्वविद्यालय, मानविकी तथा सामाजिकशास्त्र
सङ्कायअन्तर्गत नेपाली केन्द्रीय विभागको
एम.ए. दोस्रो वर्षको दसौं पत्रको
प्रयोजनका लागि
प्रस्तुत

शोधपत्र

शोधार्थी

ममता भट्टराई

नेपाली केन्द्रीय विभाग

त्रिभुवन विश्वविद्यालय

कीर्तिपुर

२०७३

शोधनिर्देशकको मन्तव्य

त्रिभुवन विश्वविद्यालय, मानविकी तथा सामाजिकशास्त्र सङ्कायअन्तर्गत नेपाली केन्द्रीय विभागकी विद्यार्थी श्री ममता भट्टराईले बखतबहादुर थापाको उपन्यासकारिता शीर्षकको शोधपत्र मेरा निर्देशनमा तयार पार्नुभएको हो । यस शोधपत्रको आवश्यक मूल्याङ्कनका लागि सिफारिस गर्दछु ।

मिति : २०७३/१२/२५

.....
प्रा.डा. खगेन्द्रप्रसाद लुइटेल्
शोधनिर्देशक
नेपाली केन्द्रीय विभाग
त्रि.वि. कीर्तिपुर

स्वीकृतिपत्र

प्रा.डा. देवीप्रसाद गौतम

(विभागीय प्रमुख)

प्रा.डा. खगेन्द्रप्रसाद लुइटेल

(शोध निर्देशक)

प्रा.डा. कृष्णप्रसाद घिमिरे

(बाह्य परीक्षक)

मिति : २०७३/१२/२९

शोधपत्र मूल्याङ्कन समिति

कृतज्ञताज्ञापन

प्रस्तुत बखतबहादुर थापाको उपन्यासकारिता शीर्षकको प्रस्तुत शोधपत्र मैले स्नातकोत्तर तहको द्वितीय वर्षको दसौँ पत्रको प्रयोजनका लागि आदरणीय गुरु प्रा.डा. खगेन्द्रप्रसाद लुइटेल्को कुशल निर्देशनमा तयार पारेकी हुँ । यो शोध तयार गर्ने सन्दर्भमा आइपरेका विभिन्न कठिनाइ र समस्याहरूसँग जुध्ने प्रेरणा दिँदै सही मार्गनिर्देश गराएर अधि बढ्न उत्प्रेरित गरी आफ्ना कतिपय व्यावहारिक कार्यलाई थाती राखेर कुशल र समूचित दिग्दर्शन गराउनुभएकोमा उहाँप्रति म हार्दिक कृतज्ञता एवम् श्रद्धा व्यक्त गर्दछु ।

शोधपत्र तयार गर्ने कार्यमा विविध कार्यव्यस्ततालाई पर्वाह नगरी आफ्नो अमूल्य समय निकालेर निर्देशन सुभाब तथा सल्लाह दिई उत्प्रेरित गर्नुहुने नेपाली केन्द्रीय विभागका विभागीय प्रमुख प्रा.डा. देवीप्रसाद गौतम एवम् सम्पूर्ण गुरुवर्गप्रति प्रति हार्दिक कृतज्ञताज्ञापन व्यक्त गर्दछु ।

प्रस्तुत शोध तयार पार्ने क्रममा आवश्यक सामग्री उपलब्ध गराइदिने त्रि.वि. केन्द्रीय पुस्तकालय, काठमाडौँप्रति हार्दिक आभार प्रकट गर्दछु । मलाई जन्म दिएर असल अभिभावकको कर्तव्य पुरा गर्दै विभिन्न कठिनाईको सामना गरी यस स्तरसम्म पुऱ्याउन सहयोग गर्नुहुने पूजनीय पिता पुण्यप्रसाद भट्टराई र माता कोपिला भट्टराईप्रति श्रद्धापूर्वक आभार प्रकट गर्न चाहन्छु । अध्ययनका लागि समय र वातावरण मिलाई हौसला तथा सत् प्रेरणा सहित आत्मबल बढाइदिने मेरो श्रीमान् एकराज त्रितालप्रति हृदयतः धन्यवाद ज्ञापन गर्दछु । शोधपत्र तयार गर्नमा सहयोग गर्नुहुने आदरणीय दाजु महेश भट्टराई र भाउजू आशा पोखरेल (भट्टराई) प्रति आभार प्रकट गर्न चाहन्छु ।

अन्तमा यस शोधपत्रको समुचित मूल्याङ्कनका लागि त्रि.वि. नेपाली केन्द्रीय विभाग, कीर्तिपुर समक्ष पेश गर्दछु ।

मिति :- २०७३/१२/१५

क्रमाङ्क : २४०

शैक्षिक सत्र २०६८/०६९

.....
ममता भट्टराई

नेपाली केन्द्रीय विभाग

कीर्तिपुर, काठमाडौँ

विषयसूची
पहिलो परिच्छेद
शोधपरिचय

| | |
|--------------------------|---|
| १.१ विषयपरिचय | १ |
| १.२ शोधसमस्या | २ |
| १.३ शोधकार्यको उद्देश्य | ३ |
| १.४ पूर्वकार्यको समीक्षा | ३ |
| १.५ शोधकार्यको औचित्य | ८ |
| १.६ शोधकार्यको सीमाङ्कन | ८ |
| १.७ सामाग्री सङ्कलन | ९ |
| १.८ शोधविधि | ९ |
| १.९ शोधपत्रको रूपरेखा | ९ |

दोस्रो परिच्छेद

बखतबहादुर थापाको सङ्क्षिप्त परिचय

| | |
|--|----|
| २.१ बखतबहादुर थापाको जीवनी | १० |
| २.१.१ जन्म र जन्मस्थान | १० |
| २.१.३ बाल्यकाल र स्वभाव | ११ |
| २.१.३ शिक्षादीक्षा | ११ |
| २.१.४ पारिवारिक स्थिति र आर्थिक अवस्था | १२ |
| २.१.५ रुचि | १२ |
| २.१.६ विवाह र सन्तान | १२ |
| २.१.७ सम्मान तथा पुरस्कार | १३ |
| २.१.८ लेखनका लागि प्रेरणा र प्रभाव | १३ |
| २.१.९ लेखनको प्रारम्भ र प्रकाशन थालनी | १४ |
| २.२ बखतबहादुर थापाको व्यक्तित्व | १५ |
| २.२.१ साहित्यिक व्यक्तित्व | १५ |
| २.२.१.१ कवि व्यक्तित्व | १५ |
| २.२.१.२ उपन्यासकार व्यक्तित्व | १६ |
| २.२.१.३ कथाकार व्यक्तित्व | १७ |

| | |
|---|----|
| २.२.१.४ नियात्राकार व्यक्तित्व | १७ |
| २.२.२ साहित्येतर व्यक्तित्व | १७ |
| २.२.१ प्राविधिक लेखक व्यक्तित्व | १८ |
| २.३ जीवनी, व्यक्तित्व र साहित्य लेखन बीचको अन्त : सम्बन्ध | १८ |
| २.४ निष्कर्ष | १९ |

तेस्रो परिच्छेद

बखतबहादुर थापाको औपन्यासिक यात्रा

| | |
|----------------|----|
| ३.१ पृष्ठभूमि | २० |
| ३.२ पहिलो चरण | २० |
| ३.३ दोस्रो चरण | २१ |
| ३.४ तेस्रो चरण | २२ |
| ३.४ निष्कर्ष | २३ |

चौथो परिच्छेद

बखतबहादुर थापाका उपन्यासको विश्लेषण

| | |
|--------------------------------|----|
| ४.१ उपन्यास विश्लेषणको प्रारूप | २४ |
| ४.१.१ कथानक | २४ |
| ४.१.२ सहभागी | २५ |
| ४.१.३ परिवेश | २६ |
| ४.१.४ उद्देश्य | २६ |
| ४.१.५ दृष्टिविन्दु | २६ |
| ४.१.६ भाषाशैलीय विन्यास | २७ |
| ४.२. परदेश उपन्यासको विश्लेषण | २७ |
| ४.२.१. परिचय | २८ |
| ४.२.१.१ कथानक | २९ |
| ४.२.१.२ सहभागी | ३५ |
| ४.२.१.३ परिवेश | ३९ |
| ४.२.१.४ उद्देश्य | ३९ |
| ४.२.१.५ दृष्टिविन्दु | ४० |

| | |
|-------------------------------------|-----|
| ४.२.१.६ भाषाशैलीय विन्यास | ४१ |
| ४.२.१.७ निष्कर्ष | ४२ |
| ४.३ कुहिरो र काग उपन्यासको विश्लेषण | ४४ |
| ४.३.१ परिचय | ४४ |
| ४.३.१.१ कथावस्तु | ४५ |
| ४.३.१.२ सहभागी | ५० |
| ४.३.१.३ परिवेश | ५६ |
| ४.३.१.४ उद्देश्य | ५७ |
| ४.३.१.५ दृष्टिविन्दु | ५८ |
| ४.३.१.६ भाषाशैलीय विन्यास | ५८ |
| ४.३.१.७ निष्कर्ष | ५९ |
| ४.४ कालचक्र उपन्यासको विश्लेषण | ६० |
| ४.४.१ परिचय | ६० |
| ४.४.१.१ कथानक | ६० |
| ४.४.१.२ सहभागी | ७० |
| ४.४.१.३ परिवेश | ७९ |
| ४.४.१.४ उद्देश्य | ८० |
| ४.४.१.५ दृष्टिविन्दु | ८१ |
| ४.४.१.६ भाषाशैलीय विन्यास | ८१ |
| ४.४.१.७ निष्कर्ष | ८२ |
| ४.५ जङ्गो उपन्यासको विश्लेषण | ८४ |
| ४.५.१ परिचय | ८४ |
| ४.५.१.१ कथानक | ८४ |
| ४.५.१.२ सहभागी | ९७ |
| ४.५.१.३ परिवेश | १०३ |
| ४.५.१.४ उद्देश्य | १०४ |
| ४.५.१.५ दृष्टिविन्दु | १०५ |
| ४.५.१.६ भाषाशैलीय विन्यास | १०५ |
| ४.५.१.७ निष्कर्ष | १०७ |

पाँचौं परिच्छेद

बखतबहादुर थापाका औपन्यासिक प्रवृत्ति

| | |
|--|-----|
| ५.१ परिचय | १०९ |
| ५.२ बखतबहादुर थापाका औपन्यासिक प्रवृत्ति | १०९ |
| ५.२.१ सामाजिक यथार्थवादी दृष्टिकोण | १०९ |
| ५.२.२ आदर्शवादी चिन्तन | १११ |
| ५.२.३ आलोचनात्मक यथार्थवादी दृष्टिकोण | ११२ |
| ५.२.४ हार्दिक र स्वच्छन्द प्रेमप्रणय | ११२ |
| ५.२.५ राष्ट्रवादी चिन्तन | ११३ |
| ५.२.६ मानवतावादी चिन्तन | ११४ |
| ५.२.७ वर्गीय सहभागीको प्रयोग | ११५ |
| ५.२.८ द्वन्द्वको सघन प्रयोग | ११५ |
| ५.२.९ परिवेश चित्रणमा विविधता | ११७ |
| ५.२.१० सरल भाषाशैलीको प्रयोग | ११८ |
| ५.२.११ निष्कर्ष | ११९ |

छैटौं परिच्छेद

सारांश तथा निष्कर्ष

| | |
|-----------------|-----|
| ६.१ सारांश | १२१ |
| ६.२ निष्कर्ष | १२४ |
| सन्दर्भ सामग्री | |